ज्वालामुखी योग - 33

अव्यक्त बापदादा :- (18.01.2012)

➳ _ ➳ बापदादा ने यह भी कहा कि सभी अपने अन्दर अपने लिए समय निश्चित करो कि कब तक अपने को बाप समान बनायेंगे। अपने अन्दर अपने लिए निश्चित करो। तो निश्चित करना आता है ना? **बापदादा तो आज हर बच्चे को देख यही वरदान दे रहे हैं अगले वर्ष में हर बच्चा तीव्र पुरुषार्थी भव।**

➳ _ ➳ **अमृतवेले जब याद में बैठते हो और जब उठने का समय होता है उस समय बापदादा का यह वरदान अपने दिल में याद रखना तीव्र पुरुषार्थी भव।** जैसे बापदादा ने दो बातें पहले ही अटेन्शन में दिलाई हैं क्योंकि संगम का समय अचानक समाप्त होना है। तो एक समय, दूसरा संकल्प, दोनों पर हर घड़ी अटेन्शन।

➳ _ ➳ बापदादा की यह भी हर बच्चे के प्रति शुभ भावना है कि हर बच्चा इस वर्ष में क्या बनें? क्या बनेंगे? जो भी आपके चेहरे में देखे आपके चेहरे से फरिश्ता रूप दिखाई दे। फलानी हूँ, फलाना हूँ नहीं। फरिश्ता अनुभव में आवे। इसके लिए ज्वालामुखी योग, कोई व्यर्थ नहीं। **लाइट और माइट स्वरूप योग से व्यर्थ को जलाओ। समर्थ फरिश्ता नज़र आये।** जिसको भी देखे, क्योंकि बाप के सिकीलधे बच्चे तो हो। बाप ने आपको खास कहाँ-कहाँ से चुन करके अपना बनाया है। तो लक्ष्य रखो मैं ब्राह्मण सो फरिश्ता हूँ। तो अमृतवेले अपनी दिनचर्या में यह याद रखना मैं ब्राह्मण सो फरिश्ता हूँ।

➳ _ ➳ चलते फिरते फरिश्ता रूप, फरिश्ता स्वरूप तो अच्छा लगता है ना! ब्रह्मा बाप फरिश्ता बना, फालो फादर। बापदादा को भी फॉरेन में चक्र लगाने का समय मिलता है। कौन सा समय मिलता है? अमृतवेला। विदेश के भी सेन्टर पर बापदादा चक्र लगाता है लेकिन अभी एडीशन ज्वालामुखी योग। यह ज्वालामुखी योग सभी को समीप लायेगा क्योंकि शक्ति मिलेगी ना। आप भी लाइट माइट रूप बनेंगे। चलते फिरते भी लाइट माइट स्वरूप होंगे तो लोगों को भी वायब्रेशन आयेगा। फिर मेहनत कम और फल ज्यादा निकलेगा।

➢➢ **बापदादा का यह वरदान अपने दिल में याद रखना तीव्र पुरुषार्थी भव**

➳ _ ➳ तीव्र पुरुषार्थ के फायदे

→ हल्कापन आयेगा भारीपन समाप्त हो जायेगा

→ व्यर्थ समाप्त हो जायेगा

- सबसे ज्यादा बोझ नेगेटिव और व्यर्थ का है

→ **समय संकल्पों की बचत होगी**

→ **मानसिक शारीरिक अध्यात्मिक रीति से शक्ति बढेगी**

→ **समय से पहले मंजिल पर पहुंच जायेगे और लक्ष्य समीप नजर आयेगा**

→ रोज की मुरली का मनन करने से बिजी रहेंगे

→ संस्कार मिलन की रास होगी सम्बंधो मे मिठास होगी स्नेही सहयोगी बनेगे

→ **चिंतन प्रखर होगा प्रबलता आयेगी**

→ **सेवाओं मे सहज सफलता होगी**

→ इच्छाये कम हो जायेगी

→ उमंग उत्साह आयेगा

→ अव्यक्त मुरली का रस आयेगा ज्ञान की गहराई मे जाने का रस आयेगा

→ सेवाओ मे धारणाओं मे उमंग उत्साह आयेगा

→ आलस्य अलबेलापन समाप्त होगा

→ दुआयें प्राप्त होगी

→ टाइम मेनेजमेंट आ जायेगा

→ कम्पलेंट समाप्त हो जायेगी

→ **परमात्म प्रेम बढेगा परमात्म मदद का अनुभव होगा परमात्म साथ का अनुभव होगा**

→ वैराग आयेगा लगाव धीरे धीरे कम हो जायेगे तपस्या बढेगी

→ self confidence बढेगा

→ **असुरक्षा का भाव बीमारी का भय मृत्यु का भय समाप्त होने लगता है निडर निर्भीक बनेगे**

- अशरीरी अवस्था मे ही भय समाप्त होता है।

→ जो भोगना है वो भोगना नही लगेगी उसकी फीलिंग नही आयेगी

→ **दूसरो को प्रेरणा आयेगी उमंग उत्साह आयेगा वायुमंडल मे तीव्र पुरुषार्थ की लहर फैलेगी**

→ ज्ञान की अथारिटी योग की अथॉरिटी आ जायेगी

→ **मन का मौन मन शक्तिशाली मन की शांति मन का डांस बढ जायेगा**

→ अंतर्मुखता बढ जायेगी

→ **खुशी आ जायेगी जीवन में संतुष्टता आ जायेगी**

→ **बाप की प्रत्यक्षता होगी**

→ जीवन सरल हो जायेगा

→ **न्यारे और सर्व के प्यारे हो जायेगे**

→ **दिव्य गुणों की धारणा होगी**

→ बहानेबाजी खत्म हो जायेगी

→ **पुण्य का खाता और नशा बढ जायेगा**